

RSM-08**Optional Paper**Subject : **SANSKRIT LIT.-I****संस्कृत साहित्य-I**Total Pages : **32**Time : **3 Hours**Maximum Marks : **200**

Roll No. _____

(In Figures)

Roll No. _____

(In Words)

(Signature of the Invigilator)

(Signature of the Candidate)

FOR EXAMINER'S USE ONLY					
Marks Obtained					
PART-A		PART-B		PART-C	
Q. No.	Marks Obtained	Q. No.	Marks Obtained	Q. No.	Marks Obtained
1		21		33	
2		22		34	
3		23		35	
4		24		36	
5		25		37	
6		26		38	
7		27		39	
8		28		40	
9		29			
10		30			
11		31			
12		32			
13					
14					
15					
16					
17					
18					
19					
20					
Total		Total		Total	

INSTRUCTIONS FOR CANDIDATES

- Write your Roll Number in the space provided on the Top of this page.
- Read the instructions given inside carefully.
- Three pages are attached at the end of the Test Booklet for rough work.
- You should return the Test Booklet to the Invigilator at the end of the examination and should not carry any paper with you outside the examination hall.
- A candidate found creating disturbance at the examination centre or misbehaving with Invigilation Staff or cheating will render himself liable to disqualification.

Marks Obtained :

Part-A :

Part-B :

Part-C :

Total : _____

(Marks in Words)

(Signature of Examiner)

(Signature of Head Examiner)

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

- (1) पहले पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नम्बर लिखिये ।
- (2) अन्दर दिये गये निर्देश ध्यानपूर्वक पढ़ें ।
- (3) उत्तर-पुस्तिका के अन्त में कच्चा काम (Rough Work) करने के लिए तीन पेज (Pages) दिये हुए हैं ।
- (4) आपको परीक्षा के समय की समाप्ति पर उत्तर-पुस्तिका को निरीक्षक महोदय को लौटाना होगा और परीक्षा भवन से बाहर जाते समय कोई भी कागज अपने साथ नहीं ले जाना होगा।
- (5) यदि कोई अभ्यर्थी परीक्षा केन्द्र पर व्यवधान उत्पन्न करता है या वीक्षण स्टाफ के साथ दुर्व्यवहार करता है अथवा वंचनापूर्ण कार्य करता है तो वह स्वयं ही अयोग्यता के लिए उत्तरदायी होगा।

[This question paper contains 32 pages]

RSM-08
SANSKRIT LIT.-I
संस्कृत साहित्य-I

समय : तीन घण्टे

पूर्णांक : 200

महत्त्वपूर्ण निर्देश

- (a) प्रश्न-पत्र “अ”, “ब ” और “स ” तीन भागों में विभाजित है । प्रत्येक भाग में से किये जाने वाले प्रश्नों की संख्या और उनके अंक उस भाग में अंकित किये गये हैं ।
- (b) प्रत्येक प्रश्न के नीचे दिये हुए स्थान में ही उत्तर दीजिये । अतिरिक्त पुस्तिका या कोरा कागज़ न तो पृथक् से दिया जायेगा और न ही उसकी अनुमति दी जायेगी ।
- (c) अभ्यर्थियों को भाग “अ”, “ब ” और “स ” में अपने उत्तर निर्धारित शब्दों की सीमा से अधिक नहीं लिखने चाहिए । इसका उल्लंघन करने पर अंक काटे जा सकते हैं ।
- (d) अभ्यर्थी द्वारा उत्तर पुस्तिका के अन्दर अथवा बाहर पहचान चिह्न यथा रोल नम्बर/नाम/मोबाईल नम्बर/टेलिफोन नम्बर या अन्य कोई निशान इत्यादि लिखे जाने अथवा अंकित किये जाने को अनुचित साधन का प्रयोग माना जायेगा । आयोग द्वारा ऐसा पाये जाने पर अभ्यर्थी की सम्पूर्ण परीक्षा में अभ्यर्थिता रद्द कर दी जायेगी ।
-

नोट : समस्त 20 प्रश्नों के उत्तर दीजिये । प्रत्येक प्रश्न के 2 अंक निर्धारित हैं । उत्तर 15 शब्दों से अधिक नहीं होना चाहिये ।

1. यजमानः अग्निना कीदृशं रयिं प्राप्नोति ?

2. कीदृशाय विष्णवे मम शूषम मन्म एतु ?

3. कस्य देवस्य पराक्रमात् रोदसी अभ्यसेताम् ?

4. पुरुषः कस्य ईशानः अस्ति ?

5. देवाः यं यज्ञमतन्वत तस्य हविः कः आसीत् ?

6. द्यावापृथिवी कस्मै नमते ?

7. सस्यमिव कः पच्यते ?

8. सर्वे वेदाः तपांसि च कं वदन्ति ?

9. तर्केण किं न प्रापणीयः ?

10. प्रवचनेन किं न लभ्यः ?

11. कस्य मृत्युध्रुवम् ?

12. हन्यमाने शरीरे को न हन्यते ?

13. हितं मनोहारि च दुर्लभं वचः -- इयं कस्योक्तिः ?

14. मर्त्यलोके के भुविभारभूता ?

15. मनुष्याणां महान् रिपुः कः ?

16. मन्दाकिनौ कथं भाति ?

17. धर्मस्य चतुर्विधं लक्षणं कम् ?

18. सन्मित्रलक्षणं किं ?

19. मूर्खाणां सम्पर्कात् किं वरम् ?

20. लक्ष्मीः कस्मिन् परिभ्रमति ?

नोट : समस्त 12 प्रश्नों के उत्तर दीजिये । प्रत्येक प्रश्न के 5 अंक निर्धारित हैं । उत्तर 50 शब्दों से अधिक नहीं होना चाहिये ।

21. कठोपनिषदनुसारेण अतिथिसत्कारस्य महत्त्वं प्रतिपाद्यताम् ।

22. ईशोपनिषदनुसारेण परब्रह्मस्य स्वरूपं निरूप्येताम् ।

23. किरातार्जुनीयमनुसृत्य युधिष्ठिरं प्रति द्रौपद्युक्तिः संक्षेपेण वर्णयताम् ।

24. श्रीमद्भगवद्गीतोक्तदिशा स्थितप्रज्ञस्य स्वरूपं वर्णयताम् ।

27. रघुवंशमहाकाव्यस्य त्रयोदशसर्गे वर्णितम् माल्यवान् पर्वतस्य स्वरूपं वर्णयताम् ।

28. शुकनासोपदेशानुसारेण यौवनस्य प्रभावः वर्णयताम् ।

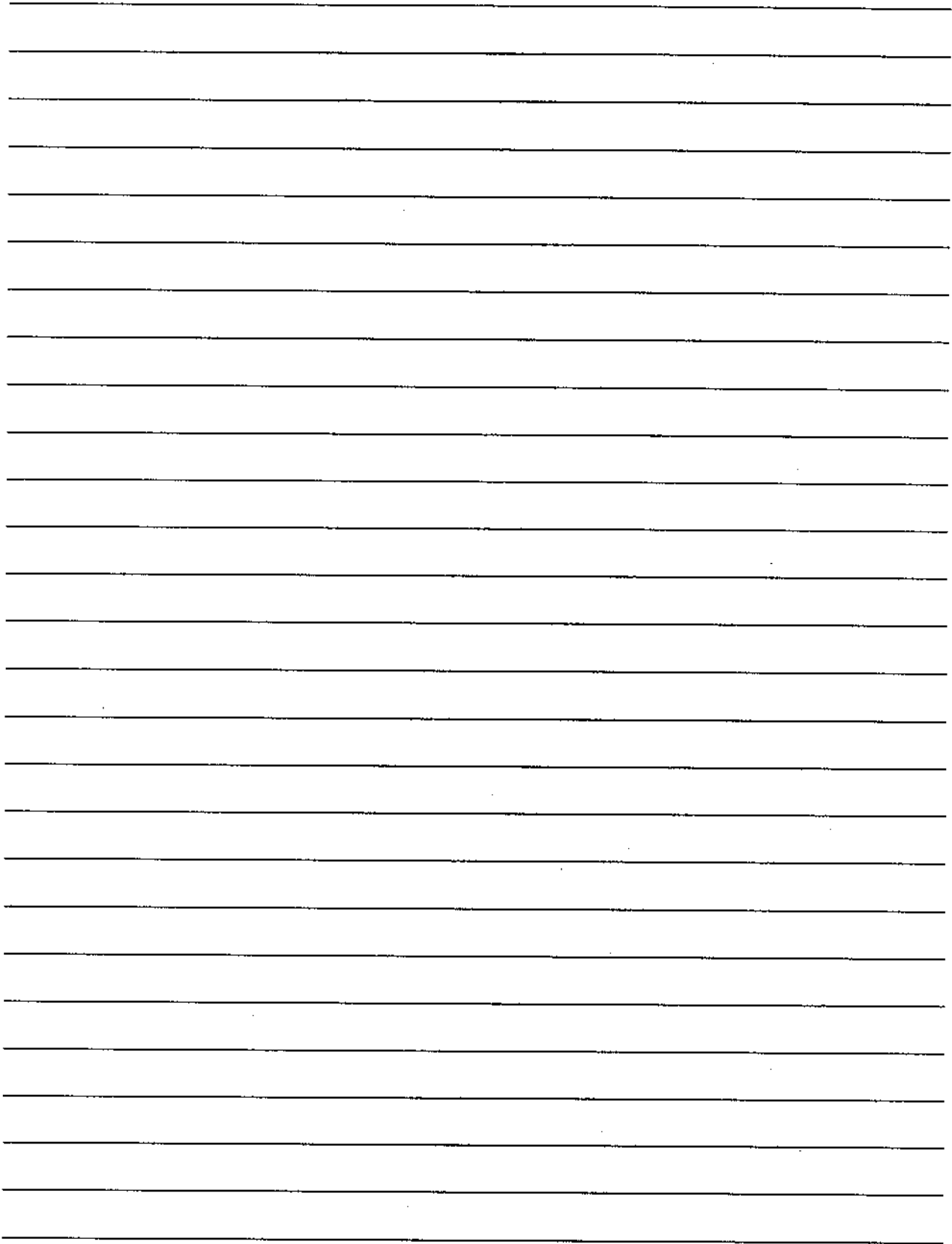
29. शिवराजविजयस्य शिल्पसौन्दर्यं संक्षेपेण निरूप्यताम् ।

30. कुमारसम्भवस्य पंचमसर्गे ब्रह्मचारिणा वर्णितं शिवस्य स्वरूपं संक्षेपेण वर्णयताम् ।

31. मनुस्मृत्यनुसारेण वेदाध्ययनस्य महत्त्वं विवेच्यताम् ।

32. अभिज्ञानशाकुन्तले पतिगृहं प्रति गच्छन्तीं शकुन्तलां प्रति महर्षिः कण्वस्य उपदेशः वर्णयताम् ।

35. अभिज्ञानशाकुन्तलमाश्रित्य शकुन्तलायाः चरित्रचित्रणं क्रियताम् ।



36. रामायणस्य महत्त्वं प्रतिपाद्यताम् ।

Lined writing area consisting of 28 horizontal lines.

37. स्वप्नवासवदत्तमाश्रित्य उदयनस्य चरित्रचित्रणं क्रियताम् ।

38. महाभारतकालीन समाजस्य संस्कृतेः स्वरूपं वर्णयताम् ।

Blank lined paper for writing.

39. काव्येषु नाटकं रम्यं तत्र रम्या शकुन्तला अस्मिन् विषये एको निबन्धो लिख्यताम् ।

Lined writing area with 25 horizontal lines.

40. कादम्बरीमाश्रित्य बाणभट्टस्य गद्यवैशिष्ट्यं विलिख्यताम् ।

Lined writing area with 20 horizontal lines.

कच्चे काम के लिए जगह

श्रीमान् गोविन्द कृष्णभास्कर

श्रीमान् गोविन्द कृष्णभास्कर

SEAL

32

SEAL

31.11.2016

SEAL